मंदिर निर्माण को दिए 1-1 करोड़ 7 | भटकता किसान आंदोलन 9 | अनुसूचित जाति के भाइयों ने उठाया बड़ा कदम 12 | कैसे पाएँ अच्छा स्वास्थ्य 17

पाक्षिक

पाथेय कण

सहयोग राशि ₹ 5

पौष कृष्ण द्वितीया, युगाब्द 5122, वि.2077,1 जनवरी, 2021

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण

निधि समर्पण महाअभियान

आपने लिखा है

अपनी परम्पराओं को दैनिक व्यवहार में लाना होगा

मैंने अपनी साप्ताहिक दिनचर्या में 'पाथेय कण' को शामिल कर रखा है। मुझे जो समझ में आ रहा है उसके अनुसार समाज के विकास की बातों को बताना, जन-जन में राष्ट्रभाव, सामाजिक और धार्मिक चेतना को जगाना और उसे सुदृढ़ बनाना 'पाथेय कण' का कार्य है। जन-जन में भेदभाव रहित धार्मिकता, सामाजिकता एवं राष्ट्रीयता के भाव को जाग्रत करने के लिए अपने सांस्कृतिक मूल्यों और परम्पराओं को दैनिक व्यवहार में लाना होगा।

● anojkumar6245@gmail.com

कोरोना से बचाता है आयुर्वेद व योग

आयुर्वेद में लगभग हर रोग का उपचार संभव है, लेकिन प्रचार-प्रसार के अभाव में जन-जन तक इसकी पहुँच नहीं हो पाई है। आयुर्वेदिक दवाएं केवल रोग ही दूर नहीं करती, बल्कि रोगियों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इस उपचार का कोई साइड इफेक्ट नहीं है। सुलभता और जागरूकता के अभाव

अंक संदर्भ : 1 दिसम्बर, 2020

में लोग आयुर्वेद को वैकल्पिक चिकित्सा के रूप में देखते हैं, इसको बदलना होगा। आयुर्वेद व योग को मुख्य धारा में लाकर जन-जन तक इसकी पहुँच सुनिश्चित करनी होगी।

● **ताराचन्द रतन** (सूरतगढ़)

सरकार कड़े कानून बनाएं

1 दिसम्बर 'पाथेय कण' का अंक प्राप्त हुआ, जिसमें प्रकाशित लव-जिहाद का लेख पढ़ कर मुझे अत्यधिक ग्लानि महसूस हुई कि राज्य सरकार इस पर कोई सख्त कानून नहीं बना रही है। हमारे देश में लाखों बालिकाओं का भविष्य संकट में है जिसका प्रमुख कारण लव-जिहाद है। अगर सरकार और समाज इस पर अपना ध्यान आकर्षित करे तो यह हिन्दू समाज की रक्षा हेतु पहली प्राथमिकता होगी।

● **लक्षकार श्याम,** बावड़ी(जोधपुर)

राष्ट्रहित से जुड़ी जानकारी के लिए पाथेय कण

देशभर के पत्रकार शिव सेना के मुख पत्र 'सामना' को पढ़कर सियासी खबरें बनाते हैं, लेकिन राष्ट्रहित से जुड़ी जानकारी के लिए अगर आप भी पाथेय कण पढ़ें तो शायद आपको खबरों के साथ-साथ कई सारी नयी जानकारी भी मिलेगी।

● @jiteshjethanandani14

प्रतिक्रिया-सुझाव भेजें

पाथेय कण में प्रकाशित किसी समाचार/लेख या अन्य सामग्री की विषयवस्तु पर आप की प्रतिक्रिया/राय/टिप्पणी/सुझाव का स्वागत है।

व्हाट्स एप या मेल करें :-

WhatsApp 79765 82011

patheykan@gmail.com

पाथेय कण को चाहिए आपका सहयोग

पाथेय कण हेतु सामग्री चयन, लेखन, प्रूफ-रीडिंग आदि कार्यों के लिए जयपुर में रहने वाले ऐसे व्यक्तियों का सहयोग चाहिए जो बिना किसी मानदेय के स्वेच्छा से प्रतिदिन या सप्ताह में 2-3 दिन कार्यालय समय में या 2-3 घंटे के लिए पाथेय भवन आकर सहयोग कर सकें।

संपादक

सम्पर्क : 94143 12288

जयपुर में स्वामी गोविन्द देव गिरीजी महाराज को पाथेय कण का सेवा विशेषांक भेंट करते संपादक रामस्वरूप अग्रवाल तथा प्रबंध संपादक माणकचंद

पाक्षिक
पाथेय कण

पौष कृष्ण द्वितीया
युगाब्द 5122, वि.2077
1 जनवरी, 2021
वर्ष 36 : अंक 15

सम्पादक
रामस्वरूप अग्रवाल

सह सम्पादक
मनोज गर्ग

सहयोग
डॉ.रामकरण शर्मा
ज्ञानचंद गोयल

प्रबंध सम्पादक
माणकचन्द

सह प्रबंध सम्पादक
ओमप्रकाश

अक्षर संयोजन
कौशल रावत

सहयोग राशि
एक वर्ष ₹ 150/-
पन्द्रह वर्ष ₹1500/-

प्रबंधकीय कार्यालय
'पाथेय भवन' 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, अग्रसेन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर-302017 (राज.)
मो. 9929722111

अंक नहीं मिलने की सूचना अपने नाम व पते सहित व्हाट्स एप (WhatsApp) द्वारा इस मो.न. पर दें। 7976582011

E-mail:patheykan@gmail.com
Website : www.patheykan.in
Twitter : @patheykan1

सम्पादकीय

किसानों को आंदोलन के नेतृत्व की मंशा समझनी होगी

प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर इन दिनों किसान आंदोलन की व्यापक चर्चा है। दिल्ली बॉर्डर पर इकट्ठे किसान नेताओं ने सरकार के साथ हुई बैठकों में नए कृषि कानूनों की एक-एक धारा पर व्यापक चर्चा करते हुए अपनी आपत्ति एवं आशंकाएं दर्ज कराई थीं। सरकार ने भी खुले दिल से इन आपत्तियों एवं आशंकाओं को दूर करने के लिए आवश्यक संशोधन करने तथा लिखित आश्वासन देने की घोषणा कर दी थी। फिर अचानक क्या हुआ कि ये किसान नेता इन कानूनों को रद्द करने की जिद कर बैठे।

प्रधानमंत्री तथा कृषि मंत्री बार-बार आग्रह कर रहे हैं- वार्ता के लिए। परन्तु दिल्ली बॉर्डर वाले नेता है कि टस से मस नहीं हो रहे। एक ही जिद कि कानून रद्द करो।

क्या किसानों की यह जिद आंदोलन की मंशा को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त नहीं है? यह कि, दिल्ली बॉर्डर वाले किसान नेता मामले को हल करना ही नहीं चाहते। ये तो किसानों के कंधे पर बन्दूक रखकर 'मोदी-विरोध' की आंच को सुलगाने में लगे हैं। मेरे एक मित्र की टिप्पणी थी कि यदि सरकार कानूनों को रद्द करने की घोषणा भी कर देगी, तो इन दिल्ली बॉर्डर वाले नेताओं की मांग होगी- मोदी जी इस्तीफा दें तभी आंदोलन समाप्त होगा। किसानों को अपने इन नेताओं की मंशा समझनी होगी।

देश में लोकतंत्र का कैसा दृश्य बन रहा है! जो कांग्रेस पार्टी अपने चुनाव घोषणा पत्र में ऐसे ही कृषि सुधारों के लिए वचनबद्ध थी, जो 'आप पार्टी' के केजरीवाल प्रारंभ में इन कानूनों का स्वागत कर रहे थे, जो शरद पवार ऐसे ही कानून बनाने के लिए राज्यों को चिट्ठी लिख रहे थे, जो राहुल गांधी लोकसभा में दिए अपने वक्तव्य में प्रश्न उठा चुके थे कि क्या किसान सीधे ही फैक्ट्री वालों को अपनी उपज नहीं बेच सकते, जिस 'वामपंथी' केरल सरकार ने अपने यहां APMC कानून लागू नहीं किया, वे सब और ऐसे ही दूसरे दल व नेता अब इन कृषि कानूनों के विरोध में आ गये हैं।

एक बात और भी। लोकसभा व राज्यसभा में इन सभी राजनीतिक पार्टियों को कृषि कानूनों के पारित होने से पूर्व बहस का व अपनी बात रखने का मौका मिला था और फिर लोकतंत्र की परम्परा के अनुरूप ये बहुमत से पारित किये गये।

अब फिर वे ही विपक्षी दल संसद के बाहर इन कानूनों का विरोध करें तथा किसानों को भड़कायें, यह तो लोकतंत्र नहीं है। संसद में पारित किये गये कानूनों का यदि सड़क पर विरोध करना है, तब संसद की आवश्यकता ही क्या है? हाँ, संसद से बाहर सरकार जो नीतिगत या प्रशासनिक फैसले लेती है उन पर या उनके परिणमों जैसे मंहगाई, भ्रष्टाचार आदि पर आन्दोलन हो सकता है। परन्तु संसद के कानूनों पर राजनैतिक दलों द्वारा विरोध तो संसदीय प्रणाली पर ही प्रश्न चिन्ह लगा रहा है। ■

ज्ञान गंगा

यथा चतुर्भिः कनकं परीक्ष्यते, निघर्षणच्छेदन तापताडनैः।
तथा चतुर्भिः पुरुषः परीक्ष्यते त्यागेन शीलेन गुणेन कर्मणा।।

जैसे चार प्रकार से सोने की परीक्षा की जाती है- घर्षण, छेदन, अग्नि में तपाना तथा पीटना, उसी प्रकार मनुष्य की भी परख चार प्रकार से होती है- दान, चरित्र, गुण तथा उसके कर्म से।

(चाणक्य नीति- अध्याय 5/2)

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण

निधि समर्पण महाभियान

राम मंदिर निर्माण में गरीब-अमीर प्रत्येक व्यक्ति का सहयोग हो इसके लिए 10रुपये,100रुपये तथा 1 हजार रुपये के कूपनों के माध्यम से सहयोग लिया जायेगा। इससे अधिक राशि, चाहे जितनी हो अधिकतम, रसीद के माध्यम से समर्पित कर सकते हैं। सभी जाति, मत, पंथ, संप्रदाय, क्षेत्र, भाषा व प्रांत के लोगों के सहयोग से ही राममंदिर एक राष्ट्रमंदिर का रुप लेगा।

राम मंदिर निर्माण के लिए 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' न्यास की व्यापक निधि समर्पण योजना बनी है। विश्व हिन्दू परिषद की दिल्ली में आयोजित केन्द्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में पूज्य संतों ने इस योजना से अपनी सहमति जतायी तथा आशीर्वाद दिया।

मकर संक्रांति से माघ पूर्णिमा तक

निधि समर्पण अभियान आगामी मकर संक्रांति (15 जनवरी) से माघ पूर्णिमा (15 फरवरी,2021) तक चलाया जायेगा। संभवतः यह अभियान विश्व का सबसे बड़ा अभियान होगा, जिसमें देश के 5 लाख से अधिक गांव, ढाणी, कस्बों और शहरों में 11 करोड़ से अधिक परिवारों से सम्पर्क करते हुए 50 से 60 करोड़ लोगों से व्यक्तिशः मिलकर उन्हें राम मंदिर निर्माण से जोड़ने की योजना है।

विहिप के बैनर तले पूज्य संत व समाज की धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं सहित संघ तथा विविध संगठनों के कार्यकर्ता शहरों से लेकर गांव-ढाणियों में घर-घर पहुँचकर निधि समर्पण अभियान के अंतर्गत धन संग्रह करेंगे।

समय व धनदानियों की बारी

विश्व हिन्दू परिषद के उपाध्यक्ष व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव श्री चंपतराय ने 16 दिसम्बर को एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि असंख्य राम भक्तों ने राममंदिर के लिए संघर्ष व बलिदान दिया। बलिदानियों के बाद अब 'धन-दानियों' की बारी है। साथ ही 'समय-दानी' भी चाहिए। श्री चंपतराय ने कहा कि देश की वर्तमान पीढ़ी को मंदिर के इतिहास की सच्चाइयों से अवगत कराने की योजना बनी है। इसके लिए घर-घर जाकर सम्पर्क किया जायेगा, साथ ही मंदिर निर्माण

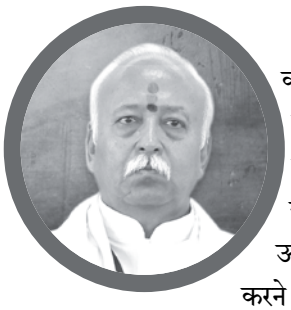

''हम सब लोगों को अपने मन की अयोध्या को सजाना-संवारना है। इस भव्य कार्य के लिये प्रभु श्रीराम जिस धर्म के विग्रह माने जाते हैं, वह जोड़ने वाला, धारण करने वाला, ऊपर उठाने वाला, सबकी उन्नति करने वाला धर्म, सबको अपना मानने वाला धर्म, उसकी ध्वजा को अपने कंधे पर लेकर सम्पूर्ण विश्व को सुख-शांति देने वाला भारत हम खड़ा कर सकें। इसलिये हमको अपने मन की अयोध्या को बनाना है। यहाँ पर जैसे-जैसे मंदिर बनेगा, वह अयोध्या भी बनती चली जानी चाहिए और इस मंदिर के पूर्ण होने से पहले हमारा मन मंदिर बनकर तैयार रहना चाहिए।''

– सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत (5 अगस्त, 2020)

''राम मंदिर के निर्माण की यह प्रक्रिया राष्ट्र को जोड़ने का उपक्रम है। यह महोत्सव है - विश्वास को विद्यमान से जोड़ने का, नर को नारायण से जोड़ने का, लोक को आस्था से जोड़ने का, वर्तमान को अतीत से जोड़ने का तथा स्व को संस्कार से जोड़ने का। आज के यह ऐतिहासिक पल युगों-युगों तक दिग्दिगन्त तक भारत की कीर्ति-पताका फहराते रहेंगे। आज का यह दिन करोड़ों रामभक्तों के संकल्प की सत्यता का प्रमाण है। आज का यह दिन सत्य, अहिंसा, आस्था और बलिदान को न्यायप्रिय भारत की एक अनुपम भेंट है।''

– प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (5 अगस्त, 2020)

में उनकी समर्पण राशि एकत्र की जायेगी।

उन्होंने कहा कि इस जनसम्पर्क अभियान में लाखों कार्यकर्ता जुटेंगे तथा समाज स्वेच्छा से सहयोग करेगा क्योंकि काम भगवान का है व मन्दिर श्रीराम का है। भगवान के कार्य में धन बाधक नहीं हो सकता।

राम मंदिर निर्माण में गरीब–अमीर प्रत्येक व्यक्ति का सहयोग हो इसके लिए 10 रुपये, 100 रुपये तथा 1 हजार रुपये के कूपनों के माध्यम से सहयोग लिया जायेगा। इससे अधिक राशि, चाहे जितनी हो अधिकतम, रसीद के माध्यम से समर्पित कर सकते हैं। दान दी गई राशि पर आयकर अधिनियम की धारा 80 जी के तहत छूट मिलेगी।

सभी जाति, मत, पंथ, संप्रदाय, क्षेत्र, भाषा, प्रांत के लोगों के सहयोग से ही राममंदिर एक राष्ट्रमंदिर का रुप लेगा।

नई दिल्ली में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास के महामंत्री श्री चंपतराय साथ में हैं श्री विनायकराव देशपाण्डे और श्री विजय शंकर तिवारी

सदियों के स्वप्न – संकल्प सिद्धि का अवसर

अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर की पुनर्स्थापना के लिए श्रीराम भक्तों ने 492 वर्षों तक अनवरत संघर्ष किया है। अतीत के 76 संघर्षों में 4 लाख से अधिक राम भक्तों ने अपना बलिदान दिया।

लगभग 36 वर्षों के शृंखलाबद्ध अभियानों के फलस्वरूप संपूर्ण समाज ने लिंग, जाति, भाषा, सम्प्रदाय, क्षेत्र आदि भेदों से ऊपर उठकर एकात्मभाव से श्रीराम मंदिर के लिए अप्रतिम त्याग और बलिदान किया।

9 नवंबर, 1989 को श्रीराम जन्मभूमि पर शिलान्यास पूज्य संतों की उपस्थिति में अनुसूचित समाज के बंधु कामेश्वर चौपाल ने किया।

यद्यपि आस्था का यह विषय न्यायालयों की लंबी प्रक्रिया में फंस गया था, तथापि पौराणिक साक्ष्यों, पुरातात्विक उत्खनन, राडार तरंगों की फोटो प्रणाली तथा ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर उच्चतम न्यायालय की 5 सदस्यीय पीठ ने 9 नवंबर, 2019 को सर्वसम्मति से निर्णय देते हुए कहा कि 14 हजार वर्ग फीट भूमि श्री रामलला की है। सत्य की प्रतिष्ठा हुई, तथ्यों और प्रमाणों के साथ श्रद्धा, आस्था और विश्वास की विजय हुई।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से जुड़ी इतिहास की सच्चाइयों को सर्वोच्च न्यायालय ने स्वीकार किया। भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर 5 फरवरी, 2020 को श्रीराम जन्मभूमि के लिए 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' न्यास का गठन कर अधिग्रहित 70 एकड़ भूमि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को सौंप दी।

5 अगस्त, 2020 को सदियों के स्वप्न संकल्प सिद्धि का वह अलौकिक मुहूर्त उपस्थित हुआ। जब पूज्य महन्त श्री नृत्यगोपालदास सहित देश भर की विभिन्न आध्यात्मिक धाराओं के प्रतिनिधि पूज्य आचार्यों, पूज्य संतों तथा संघ के पूज्य सरसंघचालक जी के सानिध्य में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भूमि पूजन कर मंदिर निर्माण का सूत्रपात किया।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास के पदाधिकारी

- **अध्यक्ष** - पूज्य महंत श्री नृत्यगोपाल दास महाराज,
- **महामंत्री**- श्री चंपतराय,
- **कोषाध्यक्ष** - पूज्य स्वामी श्री गोविंद देव गिरि महाराज,
- **निर्माण समिति के अध्यक्ष** -श्री नृपेन्द्र मिश्र
- **सदस्य**- श्री के. पारासरन, जगदगुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी श्री वासुदेवानन्द सरस्वती महाराज, जगदगुरु माधवाचार्य, स्वामी श्री विश्वप्रसन्नतीर्थ महाराज, युगपुरुष श्री परमानंद महाराज, श्री विमलेन्द्र मोहन प्रताप मिश्र, डॉ. अनिल मिश्र, श्री कामेश्वर चौपाल, महंत श्री दिनेंद्र दास, श्री ज्ञानेश कुमार (आईएएस), श्री अवनीश अवस्थी (आईएएस), श्री अनुज झा (जिलाधिकारी, अयोध्या)

राजस्थान में राम मंदिर निधि समर्पण हेतु व्यापक तैयारियां

राम मंदिर निर्माण के लिए समर्पण निधि योजना के अंतर्गत व्यापक स्तर पर जनसम्पर्क तथा निधि संग्रह हेतु तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

जयपुर प्रांत

अभियान के जयपुर प्रांत प्रमुख श्री राजाराम ने बताया कि श्रीराम मंदिर निधि समर्पण अभियान हेतु राजस्थान के सभी गांवों (लगभग 36,000 गांवों) के प्रत्येक परिवार से सम्पर्क किया जायेगा। राजस्थान में निधि समर्पण संकलन हेतु 31 जनवरी से 15 फरवरी, 2021, एक पखवाड़ा, सघन जनसम्पर्क अभियान चलाया जायेगा। इसके लिए व्यापक तैयारियाँ चल रही हैं।

प्रांत प्रमुख ने बताया कि इस अभियान को लेकर जयपुर प्रांत में तैयारियों को अंतिम रुप दिया गया है। जिलों में समितियों का गठन व कार्यालयों का शुभारम्भ हो चुका है। उपखण्ड स्तर तक समितियों के गठन की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है। जयपुर प्रान्त के 12,600 गांवों में कार्यकर्ता घर-घर सम्पर्क करेंगे।

चित्तौड़ प्रांत

गत 20 दिसम्बर को कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़, अजयमेरु, भीलवाड़ा आदि स्थानों के कार्यकर्ताओं की बैठक बूंदी के नैनवा रोड स्थित आ.वि.मंदिर में हुई। चित्तौड़ प्रांत में अभियान के सह प्रमुख श्री रविन्द्र कुमार जाजू ने बताया कि इस क्षेत्र के 27 जिलों के 123 खंडों के 15,302 गांवों में 50 हजार कार्यकर्ता घर-घर जाकर सम्पर्क करेंगे।

विहिप के क्षेत्रीय मंत्री श्री सुरेश चन्द्र ने बताया कि पूरे क्षेत्र में प्रवास के दौरान दिखाई दिया कि राममंदिर हेतु निधि समर्पण के लिए जबरदस्त उत्साह का माहौल बना हुआ है। हर हिन्दू के मन में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण की चाह है।

कर पत्रक मुद्रित करवाकर केन्द्रों पर भेजते कार्यकर्ता

20 दिसम्बर को उदयपुर के विद्या निकेतन में रामोत्सव निधि संग्रह समिति चित्तौड़ प्रांत की बैठक हुई। बैठक में बांसवाड़ा, उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़ के कार्यकर्ताओं ने अपने क्षेत्र में घर-घर तक सम्पर्क करने की योजना बनायी। विहिप के केन्द्रीय मंत्री श्री उमाशंकर ने कहा कि हर परिवार राम मंदिर निर्माण के लिए कुछ न कुछ समर्पित करना चाहता है। उन तक पहुँचना और उनकी भावना का हमें सम्मान करना है।

डूँगरपुर जिले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र रामोत्सव निधि संग्रह अभियान के अंतर्गत कार्यालय का उद्घाटन 22 दिसम्बर को किया गया। संत रामचंद परमार, रामदास महाराज बिलड़ी ने कार्यालय का शुभारम्भ किया।

अभियान के अध्यक्ष पवन जैन, सह अध्यक्ष डायालाल गामोठ आदि उपस्थित रहे। विहिप जिलाध्यक्ष डी के खेड़ा ने बताया कि बेणेश्वर धाम की पवित्र मिट्टी से अयोध्या के राम मंदिर की नींव में उपयोग के बाद यहां पर जुड़ाव ज्यादा हो गया है।

जोधपुर प्रांत

जोधपुर प्रांत के 8086 गांवों में 30 लाख परिवारों के एक करोड़ हिन्दुओं तक भगवान श्रीराम के चित्र को पहुँचाया जायेगा। प्रांत से 100 करोड़ की समर्पण राशि एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है। सिरोही के कालंद्री स्थित आ.वि.म. में दंडी स्वामी देवानंद सरस्वती के सान्निध्य में भी बैठक हुई, जिसमे निधि समर्पण अभियान की योजना बनाई गई। ■

चित्तौड़ प्रांत की बैठक में भाग लेते विहिप के केन्द्रीय मंत्री श्री उमाशंकर (मध्य में)

रामोत्सव निधि संग्रह अभियान के अन्तर्गत डूँगरपुर में कार्यालय का उद्घाटन

विश्व आस्था का केन्द्र होगा श्रीराम मंदिर – गोविन्ददेव गिरी

मन्दिर निर्माण के लिए कुछ करना जीवन की सफलता

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्द देव गिरी महाराज ने कहा है कि अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर कोई सामान्य मंदिर नहीं है, यह विश्व की आस्था का केन्द्र होगा। यह संस्कार तथा जीवन मूल्यों का केन्द्र होगा। अयोध्या विश्व की सांस्कृतिक राजधानी बनने जा रही है। श्री गोविन्द गिरी 23 दिसम्बर को जयपुर में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सर्वत्र लोगों में उत्साह है। मंदिर निर्माण में वे भी सहयोग देना चाहते हैं। वस्तुतः मंदिर निर्माण के लिए कुछ किया जाना– यह तो जीवन की सफलता है। मंदिर के लिए हुए संघर्ष में बलिदानी अपने जीवन की आहुति देकर चले गये। अब हमें अपनी सामर्थ्य अनुसार मंदिर निर्माण के लिए निधि समर्पण करनी है। दूर–दराज, गिरी–कंदराओं, झुग्गी–झोपड़ी में, गांव में बैठे राम भक्त को भी यह अनुभूति होनी चाहिए कि राम जी के मंदिर निर्माण में उसका भी सहयोग है। इसीलिए 10–10 रुपये के कूपन भी बनाये गये हैं।

पत्रकार वार्ता में मंच पर क्रमशः सर्वश्री दामोदर मोदी, डॉ.रमेश अग्रवाल, स्वामी गोविन्द गिरी, ताराचंद गोयल, प्यारेलाल मीणा तथा सुरेश उपाध्याय

पत्रकार वार्ता में स्वामी जी ने समर्पण निधि अभियान की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह अभियान और मंदिर निर्माण पूर्णतः गैर राजनैतिक है। सभी दलों में राम भक्त हैं, उन्हें सारे पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर सहयोग देना चाहिए।

श्री गोविन्द गिरी ने बताया कि राज्य में निधि समर्पण अभियान की निगरानी के लिए 'श्रीराम मंदिर निधि समर्पण अभियान समिति' का गठन किया गया है। समिति का मार्गदर्शन करने के लिए संतों की एक समिति होगी। जयपुर प्रवास के दौरान स्वामीजी कई कार्यक्रमों में उपस्थित रहे। माहेश्वरी स्कूल में उन्होंने शहर के प्रबुद्धजनों को सम्बोधित कर श्रीराम मंदिर निर्माण में सहयोग देने का आह्वान किया।

उदार मन से समर्पण निधि दे रहे हैं लोग

एक–एक करोड़ देने की घोषणा

श्रीराम मंदिर निर्माण हेतु लोगों का सहयोग लेने की तैयारियों के बीच राजस्थान के लोगों ने दिल खोलकर समर्पण निधि देना प्रारम्भ कर दिया है।

जयपुर– जयपुर में आयोजित प्रबुद्धजन गोष्ठी में स्वामी गोविन्ददेव गिरी के समक्ष राजस्थान क्षेत्र की अभियान समिति के अध्यक्ष **श्री ताराचंद गोयल** ने मंदिर निर्माण के लिए 1 करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपए देने की घोषणा की। समिति सदस्य **एस के पोद्दार** ने भी 1 करोड़ का चैक स्वामीजी को भेंट किया।

जोधपुर– जोधपुर में भी श्रीराम मंदिर के लिए समर्पण निधि हेतु जबरदस्त उत्साह दिखा। शहर के कई लोगों ने एक–एक करोड़ की समर्पण निधि देने की घोषणा की है। जोधपुर में स्वामी गोविन्द देव गिरी के प्रवास के समय सर्वश्री **बद्रीनाथ–मनीष मूंदड़ा, निर्मल गहलोत** तथा **भंवरलाल सोनी** एवं **नाकोड़ा ट्रस्ट** ने एक–एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की । सर्वश्री शैलाराम सारण, **अतुल भंसाली** व **नरेश सुराणा** ने भी अपने स्तर पर एक–एक करोड़ रुपये एकत्र कर सहयोग देने की घोषणा की। जोधपुर के उद्यमी श्री **नरेश जाजड़ा** ने भी विहिप की बैठक में पहुँच कर एक करोड़ रुपये राम मंदिर हेतु देने की घोषण की।

जोधपुर में व्यापारियों के साथ स्वामी गोविन्द देव गिरी जी की बैठक , चार दान दाताओं ने एक–एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की

मंदिर संबंधी जानकारी

- मंदिर के वास्तु का दायित्व अहमदाबाद के चंद्रकांत सोमपुरा पर है। वे वर्ष 1989 से जन्मभूमि मंदिर निर्माण की देखभाल कर रहे हैं।
- लार्सन एंड टूब्रो कंपनी को मंदिर निर्माण का कार्य दिया गया है।
- निर्माता कंपनी के सलाहकार के रूप में ट्रस्ट ने टाटा कंसल्टेंट इंजीनियर्स को चुना है।
- संपूर्ण मंदिर का निर्माण पत्थरों से होगा।
- मंदिर तीन मंजिला होगा। प्रत्येक मंजिल की ऊंचाई 20 फीट होगी।
- मंदिर की लंबाई 360 फीट तथा चौड़ाई 235 फीट है, भूतल से 16.5 फीट ऊंचा मंदिर का फर्श बनेगा, भूतल से गर्भगृह के शिखर की ऊंचाई 161 फीट होगी।
- धरती के नीचे 200 फीट गहराई तक मृदा परीक्षण तथा भविष्य में संभावित भूकंप के प्रभाव का अध्ययन हुआ है। जमीन के नीचे 200 फीट तक भुरभुरी बालू पाई गई है, गर्भगृह के पश्चिम में कुछ दूरी पर ही कभी सरयू नदी का प्रवाह क्षेत्र रहा है। इस भौगोलिक परिस्थिति में 1000 वर्ष आयु वाले पत्थरों के मंदिर का भार सहन कर सकने वाली मजबूत व टिकाऊ नींव को लेकर आईआईटी मुम्बई, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी चेन्नई, आईआईटी गुवाहाटी, केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रूड़की, लार्सन एंड टूब्रो व टाटा के इंजीनियर्स आपस में परामर्श कर रहे हैं। बहुत शीघ्र नींव का प्रारूप तैयार होकर नींव निर्माण का कार्य प्रारंभ होगा।

रामलला का ध्यान करो

रामलला का ध्यान करो, मंदिर का निर्माण करो।
मंदिर का निर्माण करो, अवधपुरी अभियान करो।

श्री राम जय राम, जय जय राम,
श्री राम जय राम, जय जय राम।।धृ।।

प्रथम कारसेवा में हमने, भगवा ध्वज लहराया था।
अपमान सहे बलिदान दिये,पर पीछे पग न हटाया था।
संतों ने आह्वान किया, फिर हमने अभियान किया।
घोर गुलामी के कलंक को, प्रभु ने स्वयं हटाया था।
रामलला ने हटाया था, माध्यम हमें बनाया था।।1।।

राम नाम ही सृजनकर्ता, राम नाम से पालन हो।
राम नाम से पत्थर तैरे, नाम शक्ति से राम झुके।
राम विरोधी कोई हो, असुर शक्ति संजोई हो।
विश्व नियंता राम नाम है, नाम शक्ति संधान करो।
नाम बाण संधान करो, जनशक्ति आह्वान करो ।।2।।

त्रेतायुग में युवा राम ने, दीर्घकाल वनवास किया।
कलियुग में अब रामलला ने, पर्णकुटी में वास किया।
रामलला तो बैठे हैं, संतों से यह कहते हैं।
मंदिर भव्य बनाओ फिर से, हिन्दू राष्ट्र निर्माण करो।
हिन्दू राष्ट्र निर्माण करो, राम राष्ट्र निर्माण करो।।3।।

श्री राम जय राम, जय जय राम,
श्री राम जय राम, जय जय राम।। धृ।।

रामत्व जागरण के लिए कार्य करें

विहिप की ओर से जयपुर के श्री रविनाथ कुंज आश्रम में संत सम्मेलन तथा मार्गदर्शक मंडल की बैठक में बोलते हुए स्वामी गोविन्द देव गिरी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में रामत्व के जागरण के लिए संतों को सक्रिय भूमिका निभानी है।

रेवासाधाम के पीठाधीश्वर राघवाचार्य की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्वामी गोविन्द देव गिरी ने कहा कि वीरों और संतों की भूमि पर श्रीराम का दूत बनकर यह संदेश देने आया हूँ कि मंदिर सभी के सहयोग से बने। संतों को समाज के लोगों को प्रेरित करना होगा। गांव–ढाणी के व्यक्ति को भी निधि समर्पण के माध्यम से मंदिर निर्माण से जोड़ना होगा।

इस अवसर पर विहिप के अखिल भारतीय संत सेवा प्रमुख व प्रचारक अजय कुमार, केन्द्रीय सह मंत्री व प्रांत के पालक अधिकारी बजरंग बागड़ा, केन्द्रीय सह मंत्री नरपत सिंह शेखावत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम, जयपुर प्रान्त प्रचारक डॉ.शैलेन्द्र, विहिप प्रांत अध्यक्ष प्यारेलाल मीणा, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाशचंद, विहिप के क्षेत्रीय मंत्री सुरेश उपाध्याय, संगठन मंत्री राजाराम, राजस्थान व गुजरात के क्षेत्रीय संगठन मंत्री गोपाल सहित प्रांतीय कार्यकारिणी के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जयपुर में संतों के साथ स्वामी गोविन्द देव गिरी जी

भटकता किसान आंदोलन

दिल्ली बॉर्डर पर किसान आंदोलन अपने उद्देश्य से भटकता दिखायी दे रहा है। केन्द्र सरकार का कहना है कि तीनों कानून वस्तुतः किसानों की आय वृद्धि के लिये हैं। फिर भी यदि किसानों को आशंका है तो सरकार उनमें संशोधन करने के लिए तैयार है।

प्रारम्भ में इन कानूनों की एक-एक धारा पर किसान प्रतिनिधियों एवं सरकार के बीच चर्चा हुई थी। जहां-जहां किसानों को किसी प्रावधान में कमी नजर आयी, सरकार उनकी आशंकाओं के निराकरण के लिए तैयार हो गयी थी।

किसानों को केन्द्र द्वारा बनाये गये कानूनों के संबंध में मुख्यतः निम्न आशंकाएं थी-

1. वर्तमान मंडी व्यवस्था समाप्त हो जायेगी।

2. किसान की जमीन उद्योगपतियों द्वारा कुर्क या छीन ली जायेगी।

3. किसी उद्योगपति से संविदा करने पर हुए विवाद में एसडीएम का झुकाव उद्योगपति की ओर हो सकता है।

4. एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) व्यवस्था समाप्त हो जायेगी।

सरकार ने उपरोक्त चारों आशंकाओं को निराधार बताया, फिर भी किसानों की आशंकाओं को समाप्त करने के लिए सरकार ने कानून में आवश्यक संशोधन करने का प्रस्ताव रखा। वस्तुतः आंदोलन यहीं समाप्त हो जाना चाहिए था।

सरकार का कहना है

नये कानूनों में वर्तमान मंडी व्यवस्था को कहीं से भी समाप्त करने संबंधी कोई प्रावधान नहीं है। अभी किसान अपनी फसल मंडी में आढ़तियों को बेचने को बाध्य हैं। नये कानून में किसानों के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। जो किसान मंडी में फसल बेचना चाहे, वहां बेचे। परन्तु यदि उसे मंडी के बाहर फसल का ज्यादा मूल्य मिल रहा है तो वह मंडी के बाहर भी अपनी फसल बेच सकता है।

एमएसपी व्यवस्था बनी रहेगी, इसके लिए सरकार लिखकर देने को तैयार है।

एसडीएम के निर्णय से किसान असंतुष्ट हो तो आगे न्यायालय में विवाद ले जाने की व्यवस्था सरकार करने को तैयार है।

नये कानूनों में लिखा हुआ है कि किसी कम्पनी से फसल बेचने की संविदा होने के पश्चात् यदि कम्पनी संविदा तोड़ेगी तो उसे किसान को मुआवजा देना होगा, परन्तु किसान जब चाहे तब संविदा तोड़ सकेगा, बिना कोई मुआवजा दिए। कानून में यह भी लिखा है कि किसान की जमीन किसी भी हालत में कुर्क नहीं होगी, जमीन हमेशा किसान की ही रहेगी।

किसान आंदोलन में लहराते कम्युनिस्ट झंडे

यह सब बातें देश की जनता तथा देशभर के किसानों को भी न्यूज चैनल तथा समाचार पत्रों से मालूम हो रही हैं।

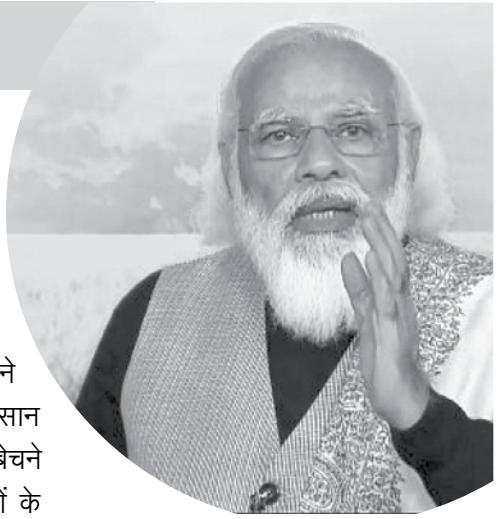

25 दिसम्बर अटल जयंती पर किसानों से संवाद करते प्र.म. मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने भाषणों में इन बातों का उल्लेख बार-बार करते हुए किसानों को आश्वस्त किया है। सभी को लग रहा था कि अब आन्दोलन समाप्त हो जाना चाहिए था।

जब किसानों की सारी आशंकाओं का निराकरण हो गया था तब अचानक क्या हुआ कि किसान तीनों कानूनों को रद्द करने की मांग करने लगे?

वामपंथियों द्वारा हाईजैक

वस्तुतः देखा जाए तो अब किसानों की कोई मांग नहीं है, फिर भी किसान डटा हुआ है क्योंकि इस आंदोलन को वामपंथी नेताओं ने हाईजैक कर लिया है, आंदोलन को अपने कब्जे में ले लिया है। वामपंथी इस राष्ट्रवादी सरकार और नरेन्द्र मोदी को हटाना चाहते हैं, नीचा दिखाना चाहते हैं, इसलिए कानून ही रद्द करने की मांग कर बैठे। लगता है कानून रद्द कर भी दिया तो भी यह आंदोलन समाप्त नहीं होगा। तब मांग होगी कि मोदी ही इस्तीफा दें।

देश के किसानों को और शेष जनता को इन वामपंथियों के इरादे समझ कर उन्हें विफल करना होगा। देश का किसान अब सरकार के समर्थन में अपनी आवाज उठाने लगा है।

यह कैसा किसान आंदोलन

केन्द्रीय कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग हेतु सिन्धु बॉर्डर पर किसानों के आंदोलन का स्वरूप क्या है? वहां पर झक सफेद मोटे-मोटे रजाई, गद्दों और कम्बलों के साथ ही हाई-टेक मसाज, टैटू पार्लर, जिम, बढ़िया खाना, कई बार चाय, लाइब्रेरी, पिज्ञा, बिरयानी आदि का मजा लेते हुए लोग टेलीविजन पर दिखाई देते हैं, वे अपने सोफे लगे ट्रैक्टरों में आराम से बैठे टेलीविजन देख रहे हैं। क्या किसी ने ऐसे किसान आंदोलन की कल्पना की थी? इन्हें ये सब आरामदायक ही नहीं विलासितापूर्ण जीवन के साधन वहां कौन उपलब्ध करा रहा है? भारत में कितनी प्रतिशत आबादी को इस तरह के विलासितापूर्ण साधन उपलब्ध हैं?

देश विरोधी नारे

इस आंदोलन में देश विरोधी तथा खालिस्तान के समर्थन में भी नारे लगे। यह नहीं है कि किसान खालिस्तान समर्थक हैं या देश विरोधी हैं। परन्तु उनके आन्दोलन में ये कौन लोग घुस आये हैं? शरजील इमाम और वरवर राव जैसे अरबन नक्सलियों को रिहा करने के नारे कैसे लगे इस आंदोलन में?

वाहनों पर मार्क्सवादी झंडे

महाराष्ट्र से कई सौ वाहनों में लोग भरकर दिल्ली की ओर रवाना हुए, किसान आंदोलन में शामिल होने के लिए। रात्रि को इंदौर में रुके। वहां पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या वे मार्क्सवादी पार्टी के कार्यकर्ता हैं, तो जिन-जिन से पूछा गया, सभी ने कहा, हाँ हम मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता हैं।

लगता है सभी मोदी विरोधी, शाहीन बाग वाले, विरोधी दल विशेष कर कांग्रेस और वामंपथी पार्टी वाले, अरबन नक्सली, सब किसानों के साथ उन्हें गुमराह करने दिल्ली बॉर्डर पर इकट्ठे हो गये हैं या हो रहे हैं।

जमायत-ए-उलेमा का प्रदर्शन

24 दिसम्बर को कोलकाता में जमायत-ए-उलेमा ने किसानों के समर्थन में और केन्द्रीय कृषि कानूनों को रद्द करने के लिए जुलूस निकाला। जब उनमें से अनेक लोगों से पूछा गया कि कृषि कानूनों में क्या है? कानून की किस बात पर उन्हें ऐतराज है, तो वे बता नहीं पाये। बस, यही कहते रहे कि ये कानून किसान विरोधी है और उन्हें रद्द करे सरकार। वाह भई वाह !

जानें किसान नेताओं को

हन्नन मोल्लाह
ऑल इंडिया किसान सभा

- सीपीआई (मार्क्सवादी) के पूर्व सांसद
- कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े डीवाईएफआई के पूर्व सचिव

दर्शन पाल
क्रांतिवीर किसान यूनियन पंजाब

- पंजाब स्वास्थ्य विभाग के से.नि.डॉक्टर
- सीपीआई (माओवादी) से रिश्ता

जगमोहन सिंह पटियाला
भारतीय किसान यूनियन

- एक्यूपंक्चर चिकित्सक
- पंजाब सरकार के को-ऑपरेटिव विभाग में नौकरी
- सीपीआई (माओवादी) से रिश्ता

प्रेम सिंह भंगू
ऑल इंडिया किसान फेडरेशन

- पेशे से वकील

अक्षय कुमार
नव निर्माण विकास संगठन

- अन्ना हजारे और मेधा पाटकर के करीबी
- नर्मदा और आजादी बचाओ आंदोलन में हिस्सा

योगेन्द्र यादव
संयुक्त किसान मोर्चा

- मौसम के जैसे बदलने में माहिर
- टीवी पर बैठकर चुनावी हाल बताया
- आम आदमी बन दिल्ली को बहलाया

किरनजीत सेखो
कुल हिंद किसान फेडरेशन

- पेशे से वकील

फसल बर्बाद होने पर भी फसल का पूरा मूल्य दिलाने वाला कानून किसान विरोधी कैसे?

किसान आत्महत्या क्यों करते हैं? उन्होंने ऋण लिया है, फसल बरबाद हो गयी या घटिया निकली या किसी कारण से फसल की पूरी कीमत नहीं मिली तो वह ऋण कैसे चुकायेगा, इसी भय से शायद किसान आत्महत्या करते हैं?

परन्तु इस नये कानून में यदि किसान मंडी से बाहर किसी व्यक्ति या कम्पनी से फसल बेचने का करार करता है तो उस खरीददार को हर हालात में किसान को तय कीमत पर भुगतान करना पड़ेगा। यदि फसल खराब हो गयी है तो भी भुगतान करना पड़ेगा। खराब फसल का नुकसान खरीददार का होगा। किसान को तो हर हालत में तय कीमत मिलेगी ही।

अब बताइये नये कानून किसान विरोधी कैसे हुए? हाँ, इन कानूनों के कारण

हो सकता है कि आढ़तियों की दुकानें बंद हो जावें।

चूंकि खरीददार कम्पनी को अच्छी फसल चाहिए, इसलिए वह किसान को अच्छा बीज, अच्छी खाद और नई तकनीकी उपलब्ध करायेगी, ताकि किसान अच्छी गुणवत्ता की फसल तैयार करे। यदि ऐसा हुआ तो किसान को भी फायदा, खरीददार को भी फायदा और देश का विकास तो होगा ही।

फिर भी कुछ किसान नये कानूनों का विरोध क्यों कर रहे हैं? कौन उनको गुमराह कर रहा है? कौन उनके कंधे पर बंदूक रख कर अपने दुश्मन पर निशाना लगा रहा है? किसान के कंधे पर बंदूक रखने वाले उन राजनीतिक पार्टियों के लोग हैं जिन्हें जनता चुनावों में हराकर मोदी जी और भाजपा को जिता रही है। और उनका दुश्मन कौन है? सही पहचाना जी, वही मोदी, जिनके कारण अनेक राजनैतिक दलों की दुकानें बंद होने के कगार पर हैं।

किसानों को इन लोगों की पहचान करनी चाहिए। किसान अन्नदाता है, उसके विकास में ही सबका विकास है। परन्तु उसे पहचान करनी होगी कि कौन उसका हितैषी है और कौन उसे अपने स्वार्थ के लिए गुमराह कर रहा है।

नए कृषि कानूनों के समर्थन में तीन लाख से ज्यादा किसानों ने पत्र लिखे

किसान दिवस 24 दिसम्बर को कई किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने कृषि मंत्री से भेंट कर नए कृषि कानूनों को वापस नहीं लेने की मांग की। उन्होंने कृषि कानूनों के समर्थन में 20 राज्यों के 3 लाख 13 हजार 363 किसानों के हस्ताक्षर वाले पत्र भी सौंपे।

अनेक राज्यों के किसान संगठनों के प्रतिनिधिक मंच 'अखिल भारतीय किसान समन्वय समिति', जिसकी स्थापना स्व. शरद जोशी ने की थी तथा महाराष्ट्र के किसान नेता गुणवंत पाटिल व तमिलनाडु के मणिकंदम ने कहा है कि सरकार के इन सुधारों से किसानों को अब जाकर स्वतंत्रता मिली है।

किसान प्रतिनिधि केन्द्रीय कानून के समर्थन में कृषि मंत्री से भेंट करते हुए

राजस्थान के अधिकांश किसान कृषि कानूनों के समर्थन में

राजस्थान में शाहजहांपुर को छोड़कर किसान आंदोलन कहीं दिखाई नहीं देता। यहां तथा कुछ-कुछ श्रीगंगानगर में भी, रस्म अदायगी ही लग रही है। वस्तुतः राष्ट्रीय विचार वाले भारतीय किसान संघ की राजस्थान के किसानों में गहरी पैठ है। भारतीय किसान संघ यद्यपि केन्द्रीय नये कृषि कानूनों से पूरी तरह संतुष्ट नहीं है तथा कुछ बदलाव के सुझाव दिए हैं, फिर भी इन कानूनों को किसानों के हित में मानता है।

राजस्थान में भारतीय किसान संघ के लगभग 8 लाख सदस्य हैं। जोधपुर की फलौदी तहसील के 40 हजार किसान इस संगठन के सदस्य हैं। राजनीतिक एजेंडे के तहत देश और सरकार को कोस रहे किसान संगठनों का किसानों की मूल समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। जबकि, भारतीय किसान संघ किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेशभर में आंदोलन कर रहा है।

दक्षिण में बढ़ता 'भगवा कारवाँ'

भारतीय जनता पार्टी को उत्तर भारत की पार्टी माना जाता रहा है। दक्षिण के एक राज्य कर्नाटक में भाजपा की सरकार है। शेष दक्षिण भारत में भी भाजपा का 'भगवा कारवां' आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है।

तेलंगाना उपचुनाव में जीत

नवम्बर 2020 में हुए उपचुनावों में तेलंगाना की दुब्बाक सीट पर भाजपा के एम रामगुंडन राव ने कांग्रेस के चेरुकु श्रीनिवास रेड्डी को हरा कर विजय प्राप्त की। इस सीट पर पहले टीआरएस (तेलंगाना राष्ट्र समिति) का कब्जा था।

हैदराबाद में 4 से 48 तक

हैदराबाद को ओवैसी का गढ़ माना जाता है। पिछली बार हैदराबाद नगर निगम में टीआरएस ने बहुमत प्राप्त कर अपना मेयर बनाया था। उसे कुल 150 सीटों में से 99 सीटें प्राप्त हुई थी। भाजपा की मात्र 4 सीटें थीं।

हैदराबाद नगर निगम चुनाव में सबसे ज्यादा फायदा भाजपा को हुआ है। पिछली बार 4 सीटें जीतने वाली भाजपा ने 48 सीटें जीत ली हैं। ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम को 44 सीटों से ही संतोष करना पड़ा है।

भाजपा के प्रदर्शन पर पार्टी के प्रदेश प्रमुख बी. संजय कुमार ने कहा है कि यह एक 'भगवा प्रभाव' है जिसमें मतदाताओं ने भाजपा में विश्वास जताया है। जनता ने विकास के एजेंडे को अपना समर्थन दिया।

केरल में निकाय चुनाव

केरल में हाल ही में निकाय चुनाव सम्पन्न हुए हैं। इन चुनावों में बीजेपी ने 23 ग्राम पंचायतों तथा 2 नगर निगमों (पलक्कड तथा पंडालम) में जीत प्राप्त की। दो जिला परिषदों में भी पार्टी को सफलता मिली है। पार्टी कोडुंगलूर और वरकला जैसे शहरी इलाकों में दूसरा स्थान पाने में सफल रही है।

भाजपा सांसद के जे एल्फोन्स ने बताया कि लगभग 50 ग्राम पंचायतों में हमारी संख्या अन्य दलों के बराबर है। पार्टी ने लगभग 1,700 वार्डों में जीत हासिल की है। जबकि पिछले चुनावों में 1236 वार्डों में जीते थे।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार बीजेपी ने शहरी क्षेत्रों में खासी पैठ बनाई है। पार्टी को ईसाई मतदाताओं का ज्यादा समर्थन मिल रहा है। कुछ क्षेत्रों में सरकार की मुस्लिम परस्त नीतियों के विरोध में ईसाई गुट खुलकर बीजेपी के समर्थन में आ गये हैं। कुल मिलाकर ऐसी संभावना दिखाई दे रही है कि 2021 के केरल विधान सभा के चुनाव में कांग्रेस नीत यूडीएफ के बजाए बीजेपी मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभर कर आये।

राजस्थान में कथित 'लव-जिहाद' का दुखद हश्र

अनुसूचित जाति के भाइयों ने उठाया बड़ा कदम

मुस्लिम युवक ईशाक मोहम्मद (35) को बहिन (22) के साथ आपत्तिजनक हालात में देखकर गुस्साए भाइयों द्वारा युवक के साथ मारपीट करने पर युवक की मौत हुई। भाइयों ने शव को वीरान स्थान पर ले जाकर जला दिया।

मृतक युवक ईशाक मोहम्मद भदेसर तहसील के गांव आसावरा का रहने वाला था। सगे भाई चेतन रैगर (24), तथा राजेश रैगर (23) भी इसी गांव के हैं। मृत युवक ईशाक विवाहित तथा 2 बच्चों का पिता था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक ईशाक ने आरोपी चेतन व राजेश की बहिन को प्रेमजाल में फंसा कर दो वर्ष से अवैध संबंध बना रखे थे।

पुलिस ने दोनों भाइयों चेतन व राजेश को गिरफ्तार कर लिया है। इनकी मां का कहना है कि आवेश में आकर उसके बेटों ने मृतक के साथ मारपीट कर दी, परन्तु उनका हत्या का इरादा नहीं था। मेरे दोनों बेटे निर्दोष हैं।

अवैध संबंध के चलते

युवक की गला काटकर हत्या

अलवर क्षेत्र से एक सनसनी खेज मामला सामने आया है, जहां बलजीत, बिल्ला, हन्नी और शैंकी को अपने दोस्त फिरोज का गला काटकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि 11 दिसम्बर को मुल्तान नगर निवासी फिरोज खान की लाश मिली थी, जिसका सर धड़ से अलग पड़ा हुआ था।

बताया जा रहा है कि फिरोज खान ने अपने ही दोस्त की बहिन से अवैध संबंध बना लिए थे, जिसके चलते यह हत्याकांड हुआ।

उत्तर संस्कृति प्रश्नोत्तरी : 1.कौशल 2.खाण्डव 3.अंगुलिस्थान 4.विंध्याचल 5.ऋग्वेद 6.खारवेल 7.सुश्रुत संहिता 8.रासबिहारी बोस 9.बेणेश्वर धाम 10. उत्तर प्रदेश

क्या इसलिए है अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध?

फारुख अब्दुल्ला की संपत्ति कुर्क की गई

जम्मू-कश्मीर तथा देश की जनता को अब समझ में आ रहा है कि क्यों फारुख अब्दुल्ला व महबूबा मुफ्ती जैसे नेता अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध कर रहे हैं। पाथेय कण के पिछले अंक में फारुख अब्दुल्ला, मुफ्ती मोहम्मद सईद व गुलाम नबी आजाद के मुख्यमंत्रित्व काल में हुए घोटाले तथा इस्लामीकरण के प्रयास का समाचार छपा था। अब एक और भ्रष्टाचार की दास्तां सामने आयी है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री तथा नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारुख अब्दुल्ला के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके तीन आवासीय मकान, एक व्यावसायिक इमारत तथा दो प्लाट कुर्क किये हैं। कुर्क की गई सम्पत्ति की बुक वैल्यू 11.86 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जबकि बाजार मूल्य 60 से 70 करोड़ रुपये है। फारुख अब्दुल्ला पर आरोप है कि उन्होंने 'जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन' का अध्यक्ष रहते अपने पद का दुरुपयोग किया तथा करीब 43 करोड़ 69 लाख रुपयों का गबन किया। यह धन खिलाड़ियों पर खर्च किया जाना था। मामला बहुत पुराना है, परन्तु अनुच्छेद 370 के कारण फारुख अब्दुल्ला पर कार्रवाई नहीं हो रही थी। पहले जांच जम्मू-कश्मीर की पुलिस कर रही थी, लेकिन बाद में न्यायालय ने सीबीआई को जांच सौंप दी। मामला मनी लॉन्ड्रिंग का होने के कारण ईडी ने यह कार्रवाई की।

हिम्मत को नमन

शून्य से नीचे तापमान में भी शाखा

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो चल रहा था जिसमें चारों ओर बिछी बर्फ के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा लग रही है तथा कुछ स्वयंसेवक प्रार्थना करते दिखाई दे रहे हैं। टी.वी.न्यूज चैनल 'न्यूज नेशन' ने इस वीडियो की सत्यता की छानबीन की। 'न्यूज नेशन' की टीम कुल्लू पहुँची जहां का यह वीडियो बताया जा रहा है। वहां उन्हें जानकारी मिली कि जो स्थान वीडियो में दिखाई दे रहा है वह 'पेरचा' गांव का ही है जो कुल्लू से लगभग 100 किमी. दूर है। चैनल की टीम पेरचा गांव भी पहुँची तो देखा कि बर्फबारी हो रही है और इस भीषण बर्फबारी में भी शाखा लग रही है। पेरचा गांव के स्वयंसेवक रामलाल ने 'न्यूज नेशन' की टीम को बताया कि कैसा भी मौसम हो पेरचा गांव में शाखा अवश्य लगती है। 'न्यूज नेशन' चैनल ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा उक्त वीडियो असली है।

कुल्लू (पेरचा) में बर्फबारी में शाखा लगाते स्वयंसेवक

मोदी विरोध में क्या-क्या करेंगे?

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मांगी माफी

बिना आधार के विरोधियों पर ऊल-जुलूल आरोप लगाना कई कांग्रेसी नेताओं की पुरानी आदत है। जब मामला आदलत में जाता है तो सजा के डर से माफी मांगने लगते हैं। ऐसा ही एक मामला 19 दिसम्बर को हुआ जब कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) अजीत डोभाल के बेटे विवेक डोभाल से बिना शर्त माफी मांग ली।

अंग्रेजी पत्रिका 'द कारवां' तथा जयराम रमेश ने अजीत डोभाल और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि एनएसए के बेटे विवेक, कैमेन आइलैंड में हेज फंड चलाते थे, जिसके प्रोमोटर्स संदिग्ध थे अर्थात् इसके माध्यम से नोटबंदी के दौरान भ्रष्टाचार किया गया। इस गलत बयानी के विरुद्ध आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर किया गया था।

लिखित माफीनामे में जयराम रमेश ने लिखा है कि आरोप लगाने से पहले उन्हें तथ्यों की जांच करनी चाहिए थी, जो उन्होंने नहीं की। उन्होंने आगे लिखा, ''मैं आपसे और आपके परिवार से माफी मांगना चाहता हूँ।'' दरअसल डोभाल परिवार पर आरोप लगाने के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही निशाने पर थे। कांग्रेस व अन्य दलों के कई नेता 'मोदी विरोध' के नाम पर किसी भी हद तक चले जाते हैं।

जयराम रमेश (कांग्रेस नेता) और विवेक डोभाल

सक्षम का समानाभूति आयाम

मध्यरात्रि में अभावग्रस्तों की सहायता

भीषण सर्दी में भी सड़क किनारे, फुटपाथ पर किसी दीवार की ओट लेकर अपर्याप्त वस्त्रों में सैकड़ों लोग सिकुड़ते हुए सोने को विवश हैं। सरकार की ओर से रैन बसेरे बनाये गये हैं, फिर भी न जाने क्यों, ऐसे अभागों की बड़ी संख्या शहरों में है।

दिव्यांगों के कल्याण को समर्पित 'सक्षम' संस्था के कार्यकर्ता तथा सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में स्नातकोत्तर के छात्र आधी रात को निकलते हैं और सड़क किनारे–फुटपाथ पर सोये ऐसे लोगों को बिना जगाये कम्बल ओढ़ाते हैं तथा अन्य वस्त्र उनके पास रख देते हैं। 'नेकी कर कुएं में डाल' वाली उक्ति को चरितार्थ करते ये लोग इस कार्य को करते समय न फोटो लेते हैं, न वीडियो, न कोई सेल्फी।

'सक्षम' के संगठन मंत्री श्री कमल कुमार ने बताया कि इस सेवाकार्य से जुड़ने वाले लोग 'सक्षम' से सम्पर्क करें। उन्हें सक्षम द्वारा बताये क्षेत्र में रात्रि को 12:00 से 02:00 बजे के बीच जाकर यह नेक कार्य करना होगा।

किसानों को लाभकारी मूल्य का कानूनी अधिकार मिले

स्वदेशी जागरण मंच की दो दिवसीय बैठक में खुदरा बाजार में बहुराष्ट्रीय कम्पनी के छद्म प्रवेश रोकने और किसानों को लाभकारी मूल्य का कानूनी अधिकार देने सम्बंधी दो प्रस्ताव पारित किये गये। जागरण मंच की राष्ट्रीय बैठक गत 12–13 दिसम्बर को दिल्ली में सम्पन्न हुई। बैठक को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह श्री वी भगैय्या, मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री आर. सुन्दरम्, राष्ट्रीय संगठक श्री कश्मीरी लाल सहित अनेक प्रबुद्धजनों ने सम्बोधित किया।

पहले प्रस्ताव में बताया गया है कि एफडीआई (FDI) नियमों को उपयुक्त तरीके से संशोधित किया जाये, ताकि बहुराष्ट्रीय कंपनियों का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तरीके से बहुब्रांड खुदरा क्षेत्र में प्रवेश से रोका जा सके। दूसरे प्रस्ताव में किसान उत्पाद व्यापार और वाणिज्य विधेयक 2020 का भाव स्पष्ट करते हुए बताया गया कि मध्यस्थों से बचाकर किसानों को उपज का सही मूल्य मिले।

संघ के सह सरकार्यवाह श्री वी भगैय्या, मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री आर. सुन्दरम्, राष्ट्रीय संगठक श्री कश्मीरी लाल

युवा राष्ट्र पुनर्निर्माण के लिए परिवर्तन का हिस्सा बनें– भैया जी

देश में परिवर्तन का चक्र गतिमान हो चुका है। युवा राष्ट्र पुनर्निर्माण के मूक साक्षी नहीं बल्कि परिवर्तन का हिस्सा बनकर भारत को पुनः बलशाली, स्वाभिमानी और स्वावलंबी बनाएं। यह विचार संघ के सरकार्यवाह श्री भैयाजी जोशी ने नागपुर में गत 26 दिसम्बर को अ.भा.विद्यार्थी परिषद के 66 वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन करते समय व्यक्त किये।

परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय ठाकुर ने बताया कि अधिवेशन में कोरोना संकट के कारण सीमित संख्या में कार्यकर्ताओं को बुलाया गया था। शेष कार्यकर्ताओं के लिए देशभर में एलईडी लगाकर अधिवेशन का लाइव प्रसारण किया गया ।

प्रांतीय अधिवेशन 10 जनवरी को सीकर में

विद्यार्थी परिषद का 56 वां प्रांतीय अधिवेशन सीकर के आदर्श विद्या मंदिर में 10 जनवरी को आयोजित किया जा रहा है। इससे पूर्व 7 से 9 जनवरी तक अभ्यास वर्ग रहेगा।

श्री भैया जी जोशी अ.भा.वि.प.के राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन करते हुए

संघ के प्रथम प्रवक्ता तथा वरिष्ठ कार्यकर्ता

श्री माधव गोविन्द वैद्य का स्वर्गवास

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम अखिल भारतीय प्रवक्ता, पूर्व अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख, पूर्व अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख, प्रसिद्ध पत्रकार तथा ख्यात शिक्षक श्री माधव गोविन्द वैद्य (उपाख्य बाबूराव जी वैद्य) का गत 19 दिसम्बर को 97 वर्ष की आयु में देहान्त हो गया।

वे नागपुर के हिस्लाप मिशनरी कॉलेज में प्राध्यापक थे। 1966 में नौकरी छोड़ संघ की योजना से 'दैनिक तरुण भारत' अखबार के सम्पादक बने। किसी बात को तर्कपूर्ण ढंग से बताने की उनकी शैली के सभी प्रशंसक रहे। उन्होंने अनेक पत्रकारों का निर्माण किया।

1978 से 1984 तक महाराष्ट्र की विधान परिषद के मनोनीत सदस्य रहे। बाद में संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख व प्रचार प्रमुख तथा प्रथम अखिल भारतीय प्रवक्ता भी रहे। वे हास्य निर्माण के लिये कहते थे, 'मैं प्रचारकों का बाप हूँ।' सच भी था। उनके दो पुत्र श्री मनमोहन वैद्य (वर्तमान सह सरकार्यवाह) एवं श्री राम वैद्य संघ के प्रचारक हैं। यह दुर्लभ संयोग था कि वे और उनके पुत्र संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख रहे। संघ श्री माधव गोविन्द की रगों व सांसों में समाया हुआ था। उन्हें 'महाकवि कालिदास संस्कृत साधना पुरस्कार' सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

वे ऐसे बिरले कार्यकर्ताओं में से थे जिन्हें सभी सरसंघचालकों को देखने का अवसर मिला।

पाथेय कण परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

सरसंघचालक जी एवं सरकार्यवाह जी द्वारा शोक व्यक्त

श्रीमान् माधव गोविन्द उपाख्य बाबूराव जी वैद्य के शरीर छोड़ने से हम सब संघ के कार्यकर्ताओं ने अपना एक वरिष्ठ छायाछत्र खो दिया है। संस्कृत के प्रगाढ़ विद्वान, उत्तम पत्रकार, विधान परिषद के सक्रिय सदस्य, उत्कृष्ट साहित्यकार, ऐसी बहुमुखी प्रतिभा के धनी, बाबूराव जी ने यह सारी गुण सम्पदा संघ में समर्पित कर रखी थी। वे संघ कार्य विकास के सक्रिय साक्षी रहे। उनका जीवन व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक तथा आजीविका इन चतुर्विध आयामों में संघ संस्कारों की अभिव्यक्ति करने वाला संघानुलक्षी, सम्पन्न व सुन्दर गृहस्थ जीवन था, सरल भाषा में तर्कशुद्ध रीति से व अनुभूतिमूलक विवेचन से संघ को अपनी वाणी और लेखनी द्वारा वे जगत में सर्वत्र प्रस्तुत करते रहे। फलस्वरूप उनकी अगली पीढ़ी भी इसी प्रकार से जीवन जीते हुए देश हित के लिए कार्यरत हैं तथा उनके दो सुपुत्र श्री मनमोहन जी व श्री राम जी संघ के वरिष्ठ प्रचारक हैं।

ऐसे उदाहरण स्वरूप वरिष्ठ जीवन का चर्मचक्षुओं से ओझल होना पीछे एक रिक्तता छोड़ जाता ही है। श्री वैद्य जी का पूरा परिवार आज एक विस्तृत छत्रछाया का अभाव अनुभव कर रहा है। हम सबका तथा उनका सांत्वन करना कठिन है। समय ही उसका उपाय है। बाबूराव जी का जीवन हम सबको हर अवस्था में अपने कर्तव्य पालन का कार्य अविचल और अडिग रीति से करना सिखा रहा है। उनके जीवन की इस सीख को आचरण में लाते हुए इस दुर्धर प्रसंग का सामना करने का धैर्य हम सबको तथा वैद्य परिवार को प्राप्त हो व दिवंगत जीव को उनके जीवन तपस्या के अधिकारानुरूप शांति व उत्तम गति मिले, यही प्रार्थना।

(मोहन भागवत)
सरसंघचालक

(सुरेश 'भैया' जोशी)
सरकार्यवाह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शोक-संवेदनाएं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट किया कि श्री एम.जी.वैद्य एक जाने-माने लेखक और पत्रकार थे। उन्होंने दशकों तक आरएसएस के लिए योगदान दिया। उनके निधन से दुखी हूँ। परिवार के साथ संवेदनाएं।

उत्तर बाल प्रश्नोत्तरी-1.(क)2.(ख)3.(क)4.(घ)5.(क)6.(ख)7.(ग)8.(घ)9.(ख)10.(क) उत्तर महापुरुष पहचानो- गुरु नानकदेव जी

भागो मत, सामना करो

स्वामी विवेकानन्द अपने परिव्राजक काल में भारत भ्रमण के दौरान वाराणसी में रुके थे। वहाँ एक दिन जब वे माँ दुर्गा के मंदिर के दर्शन करके लौट रहे थे, तभी बंदरों का एक झुण्ड उनके पीछे लपका। हाथ में झोला लिए स्वामीजी को देख बंदरों ने समझा कि उनके पास कुछ खाने की वस्तु है और सारे बंदर एक साथ उनकी ओर आ धमके। कभी वे स्वामीजी के पैरों पर झपट्टा मारते तो कभी झोले पर। स्वयं को बचाने के लिए विवेकानन्द तेजी से दौड़ने लगे, किन्तु बंदर कहाँ पीछा छोड़ने वाले थे, सारे बंदर गुर्राते हुए स्वामीजी के पीछे दौड़े। अब स्वामीजी जितना तेज दौड़ते बंदर और भी क्रोधित होकर उनके पीछे लपकते।

वहीं सड़क किनारे बैठे एक वृद्ध साधु यह सारा दृश्य देख रहे थे, उन्होंने चिल्लाकर कहा –''भागो मत, इनका सामना करो।'' ये शब्द सुनकर स्वामी विवेकानन्द रुक गए।

उनके रुकते ही पीछे आ रहे बंदर भी ठिठक गए। अब स्वामीजी में कुछ हिम्मत आयी और वे पलटकर बंदरों के सामने डटकर खड़े हो गए। यह देख बंदरों ने गुर्राना बंद कर दिया और कुछ पीछे हट गए। अब स्वामीजी जैसे-जैसे बंदरों की ओर बढ़ते बंदर पीछे हटते जाते और अंततः सारे बंदर भाग गए।

इस छोटी सी घटना से स्वामी विवेकानन्द ने एक बड़ा सबक लिया– 'भागो मत, सामना करो।'' अर्थात् जब भी कोई संकट या कठिनाई आये तो उससे डरकर भागना नहीं बल्कि डटकर वीरता से सामना करना है।

इस घटना को सुनाते हुए स्वामी विवेकानन्द ने न्यूयार्क में दिये अपने भाषण में कहा था–''यह हम सबके लिए एक सबक है कि संकट का सामना वीरता से करो। बंदरों की तरह जीवन की कठिनाइयां भी पीछे हट जाएंगी, यदि हम उनसे दूर भागने की बजाय निडर होकर सामने खड़े हो जाएं। कायर कभी भी विजय हासिल नहीं कर सकता। हमें डर और कष्टों का सामना करना होगा, उनके स्वतः दूर चले जाने की आशा छोड़कर।''

– उमेश कुमार चौरसिया, अजमेर

बाल प्रश्नोत्तरी

आपकी स्मरण शक्ति का स्तर क्या है? बाल मित्रों! पाथेय कण का 16 दिसम्बर, 2020 का अंक पढ़ने के पश्चात् निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें और देखें कि आपकी स्मरण शक्ति का स्तर कैसा है। **सामान्य** : यदि 5 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **श्रेष्ठ** : यदि 8 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं। **उत्तम** : यदि सभी प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं।

1. नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित कराने के लिए प्रचण्ड आन्दोलन चल रहा है, इसकी राजधानी क्या है?
(क) काठमांडु (ख) भोजपुर (ग) जनकपुर (घ) ललितपुर

2. विश्व प्रसिद्ध पशुपतिनाथ भगवान का मंदिर कहाँ है?
(क) भारत (ख) नेपाल (ग) थाइलैण्ड (घ) भूटान

3. उत्तर प्रदेश सरकार के लव-जिहाद कानून के अन्तर्गत सामूहिक मतांतरण के मामले में कितने वर्ष की सजा का प्रावधान है?
(क) 3-10 वर्ष (ख) 5-8 वर्ष (ग) 2-5 वर्ष (घ) 4-8 वर्ष

4. रोशनी एक्ट, 2001 का सम्बन्ध किस राज्य से है?
(क) हिमाचल प्रदेश (ख) मध्य-प्रदेश (ग) राजस्थान (घ) जम्मू-कश्मीर

5. तमिलनाडु के वीर पाण्ड्य कट्टबोम्मन का जन्म कब हुआ था?
(क) 3 जन., 1760 (ख) 5 जन.,1860 (ग) 8 जनवरी, 1780 (घ) 10 जनवरी,1660

6. रामकृष्ण मिशन के संस्थापक कौन थे?
(क) स्वामी रामतीर्थ (ख) स्वामी विवेकानन्द (ग) रामकृष्ण परमहंस (घ) स्वामी सुबोधानंद

7. भारत के किस राज्य में गोहत्या प्रतिबंध को लेकर विधेयक पारित किया गया है?
(क) उत्तर प्रदेश (ख) पंजाब (ग) कर्नाटक (घ) केरल

8. राजस्थान में (वर्ष-2020) लव-जिहाद की सबसे अधिक घटनाएं किस जिले में हुई हैं?
(क) टोंक (ख) अजमेर (ग) सीकर (घ) जयपुर

9. वर्ष-2021 में 'प्रथम सिन्धु महाकुंभ' का आयोजन किस माह में होने जा रहा है?
(क) मार्च (ख) जून (ग) अगस्त (घ) नवम्बर

10. भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले का जन्म दिवस कब आता है?
(क) 3 जनवरी (ख) 5 जनवरी (ग) 8 जनवरी (घ) 5 फरवरी

(उत्तर इसी अंक में हैं)

पहचानो तो यह महापुरुष कौन है ?

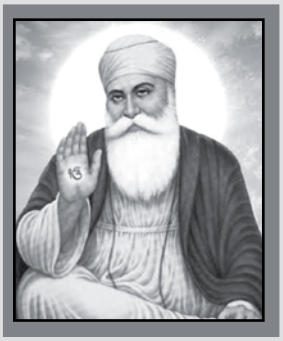

बाल मित्रों ! यहाँ एक महापुरुष का चित्र तथा उनके जीवन के बारे में कुछ संकेत दिये जा रहे हैं। संकेत के आधार पर चित्र को पहचानो और अपने ज्ञान की परीक्षा करो।

- आपका जन्म स्थान वर्तमान पाकिस्तान में है।
- वर्ष-2019 में आपका 550 वाँ प्रकाश वर्ष पूरे देश में मनाया गया।
- आप सिक्ख गुरु परम्परा में प्रथम गुरु हैं।

(उत्तर इसी अंक में है)

भोजन सूत्र - कैसे पाएं अच्छा स्वास्थ्य

इन्दौर में लगा था संबोधि ध्यान एवं योग शिविर। इस शिविर में महोपाध्याय श्री ललितप्रभ एवं डॉ. मुनि शांतिप्रिय द्वारा शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति को मजबूत करने के प्रयोग किए गए। स्वास्थ्य संबंधी उनके बताए उपाय सूत्ररूप में नीचे दिये जा रहे हैं –

सार मंत्र – अन्न आधा, सब्जी और फल दुगुना, पानी पियो तिगना, हंसी को करो चौगुना।
तीन बातें – भोजन हितकर, सीमित और ऋतु अनुसार।
नाश्ता– मौसमी फल भर पेट खाएं।
दोपहर– सब्जी–रोटी, दाल–चावल, छाछ।
शाम – जूस, सूप, दलिया या खिचड़ी आदि हल्का–फुल्का।
अधिक भोजन, जंक फूड, फास्ट फूड का लगातार सेवन करने से आंतों की झिल्ली में छेद हो सकते हैं, खून जहरीला तथा प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है।

▶ रोज पांच तुलसी या नीम के पत्ते खाएं।
▶ सोने से 4 घंटे पूर्व तक ही भोजन करें।

तीन सफेद जहर – मैदा, नमक व चीनी।
विकल्प – मोटा आटा, सेंधा या काला नमक तथा गुड़ या देसी शक्कर।
तीन लिक्विड जहर – रिफाइंड तेल, वनस्पति घी व कोल्ड ड्रिंक।
कम पानी पीने के संभावित परिणाम – गंदा खून, किडनी में पथरी, जोड़ों में दर्द, हार्ट में ब्लॉकेज, बालों का झड़ना, चेहरे पर दाग आदि।

▶ सुबह उठने पर खाली पेट 2–3 गिलास गुनगुना पानी लें, पानी बैठकर पीयें।
▶ भोजन के आधा घंटा पूर्व तथा डेढ़ घंटा बाद ही पानी पीयें।

अंतिम बात – पूरा ब्रह्मांड ऊर्जामय है। हमारा शरीर भी छोटा ब्रह्मांड है। नकारात्मक ऊर्जा से रोग बढ़ते हैं। अतः शरीर तथा मन में सकारात्मक ऊर्जा भरें। अच्छे आचरण व अच्छे व्यवहार से ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार संभव है।

श्रद्धांजलि

श्री संग्राम सिंह करड़ का निधन

भारतीय किसान संघ के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष श्री संग्राम सिंह का निधन 22 दिसम्बर को जयपुर में हो गया। आपके कुशल व सक्षम नेतृत्व के परिणामस्वरूप भारतीय किसान संघ राजस्थान के गांव–गांव तथा ढाणियों तक पहुँचा। श्री संग्राम सिंह विद्यार्थी काल से ही संघ के स्वयंसेवक रहे तथा स्वयं भी एक कर्मठ किसान थे। आप जीवन पर्यन्त भारतीय किसान संघ के संस्थापक श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी के बताए आदर्शों पर चलते रहे। **पाथेय कण परिवार की विनम्र श्रद्धांजलि।**

संस्कृति प्रश्नोत्तरी

जांचें कि आप कितने ज्ञानवान हैं?

नीचे दिए गए 10 प्रश्नों के उत्तर बताइये। अपना ज्ञान स्तर निम्नानुसार मानें –
सामान्य–यदि 5 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं।
श्रेष्ठ– यदि 8 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं।
उत्तम – यदि सभी उत्तर सही देते हैं।

1. महाराज दशरथ किस राज्य के राजा थे, जिसकी राजधानी अयोध्या थी?
2. जिस वन का दहन कर पाण्डवों ने इन्द्रप्रस्थ बसाया, उसका क्या नाम था?
3. इंग्लैण्ड का प्राचीन संस्कृत नाम क्या था?
4. सात पवित्र पर्वतों में से भारत के मध्य में स्थित पर्वत कौन सा है?
5. सबसे प्राचीन वेद कौन–सा है?
6. कलिंग के वे सम्राट कौन थे जिन्होंने मगध से अपनी शत्रुता भुला कर विदेशियों का सामना करने के लिए मगध का साथ दिया?
7. कर्कट रोग (कैंसर) की शल्य क्रिया का उल्लेख किस प्राचीन भारतीय ग्रंथ में है?
8. सन् 1912 में अंग्रेज वायसराय लार्ड हार्डिंग्ज पर बम प्रहार की योजना किस महान क्रांतिकारी ने बनाई थी?
9. हर साल राजस्थान में वनवासियों का कुंभ किस तीर्थ स्थल पर होता है?
10. लव–जिहाद को लेकर किस राज्य में दण्डनीय अपराध का अध्यादेश जारी किया गया है?

(उत्तर इसी अंक में हैं)

आगामी पक्ष के विशेष अवसर

16–31 जनवरी, 2021 (पौष शुक्ल 3 से माघ कृ.3, विक्रमी 2077 तक)

जन्म दिवस

पौष शुक्ल 4 (इस बार 17 जनवरी)– श्री विमलनाथ (13वें तीर्थंकर)
पौष शुक्ल 7 (इस बार 20 जनवरी)– 10 वें गुरु गोविन्द सिंह
22 जनवरी (1824)– क्रांतिकारी अजीजन बाई
पौष शुक्ल 10(इस बार 23 जनवरी)– श्री अजितनाथ (दूसरे तीर्थंकर)
23 जनवरी (1897)– सुभाष चन्द्र बोस
24 जनवरी (1914)– क्रांति कथाओं के गायक वचनेश त्रिपाठी
पौष शुक्ल 13(इस बार 26 जनवरी)– श्री धर्मनाथ (15 वें तीर्थंकर)
26 जनवरी (1915)– रानी मां गाइदिन्ल्यु
27 जनवरी (1894)– वन–रक्षक निर्मल मुण्डा
पौष पूर्णिमा (इस बार 28 जनवरी)– माता जीजाबाई
28 जनवरी (1865)– लाला लाजपत राय
29 जनवरी (1922)– प्रो. राजेन्द्र सिंह उपाख्य 'रज्जू भैया'
– स्वामी प्रणवानंद (1896)

महत्वपूर्ण घटनायें/अवसर

16 जन. (1941)– अंग्रेजों की नजरबन्दी से नेताजी की मुक्ति
26 जन.(1950)– गणतंत्र दिवस
28 जनवरी (1898)– भगिनी निवेदिता का भारत आगमन
30 जनवरी – कुष्ठ निवारण दिवस

बलिदान दिवस/पुण्यतिथि

17 जनवरी (1872)– रामसिंह कूका के गो–भक्त शिष्यों का बलिदान
19 जन.(1597)– महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि
20 जन. (1825)– वनवासी गेंद सिंह की शहादत
21 जन. (1945)– रासबिहारी बसु की शहादत
30 जन. (1948)– महात्मा गाँधी की पुण्यतिथि

पंचांग–पौष (शुक्ल पक्ष)

युगाब्द – 5122, विक्रमी – 2077, शाके – 1942
(14 से 28 जनवरी, 2021)

मकर संक्रांति– 14 जनवरी, **पंचक–** 15 जनवरी (सायं 5.06 बजे) से 20 जनवरी (दोपहर 12.36 बजे) तक, **विनायक चतुर्थी–**16 जनवरी, **पुत्रदा एकादशी व्रत–**24 जन., **प्रदोष व्रत–**26 जनवरी, **सत्यपूर्णिमा व्रत–**28 जन.

ग्रह स्थिति

चन्द्रमा : 14–15 जनवरी **मकर** राशि में, 16–17 जनवरी **कुंभ** में, 18 से 20 जनवरी **मीन** में, 21–22 जनवरी **मेष** में, 23 से 25 जनवरी उच्च की राशि **वृष** में, 26–27 जनवरी **मिथुन** में तथा 28 जनवरी स्वराशि **कर्क** में गोचर करेंगे।

पौष शुक्ल पक्ष में **शनि** व **गुरु** यथावत मकर राशि में स्थित रहेंगे। गुरु 19 जनवरी को प्रातः 11.30 बजे पश्चिम दिशा में अस्त होंगे। इसी प्रकार **राहु** और **केतु** भी वृष व वृश्चिक राशि में ही बने रहेंगे। **मंगल** मेष राशि में रहेंगे। **सूर्य** 14 जनवरी को प्रातः 8–15 बजे तथा **शुक्र** 27 जनवरी का प्रातः 3.29 बजे धनु से मकर राशि में प्रवेश करेंगे। **बुध** 25 जनवरी को सायं 4.56 बजे मकर से कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे।

पाथेय कण संस्थान के पूर्व अध्यक्ष तथा शिक्षाविद् एवं शिक्षक संगठन के शिखर पुरुष

पुरुषोत्तम लाल चतुर्वेदी नहीं रहे

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, वर्तमान में केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के कुलाधिपति, पूर्व प्राचार्य एवं राजस्थान कॉलेज शिक्षा के पूर्व संयुक्त निदेशक, शिक्षाविद् तथा शिक्षक संगठन के शिखर पुरुष श्री पुरुषोत्तम लाल चतुर्वेदी का निधन 19 दिसम्बर को जयपुर में हो गया। शिक्षा एवं शिक्षकों के हित में उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया था।

उच्च शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक संगठन 'रुक्टा' व 'रूक्टा–राष्ट्रीय' के वे 6 से अधिक बार महामंत्री तथा अध्यक्ष रहे। कॉलेज विश्वविद्यालय शिक्षकों के अखिल भारतीय महासंघ 'एआईफुक्टो' के वे उपाध्यक्ष रहे।

वे किसी भी पद पर रहे हों, अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता को मजबूती के साथ प्रकट करते थे। वे शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वाभिमान, नैतिकता और मातृभाषा के प्रबल पक्षधर थे। श्री चतुर्वेदी 2010 से 2013 तक 'पाथेय कण संस्थान' के अध्यक्ष भी रहे। **पाथेय कण परिवार उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।**

राष्ट्रोन्नायक आचार्य शंकर 42

आलेख व चित्र
ब्रजराज राजावत

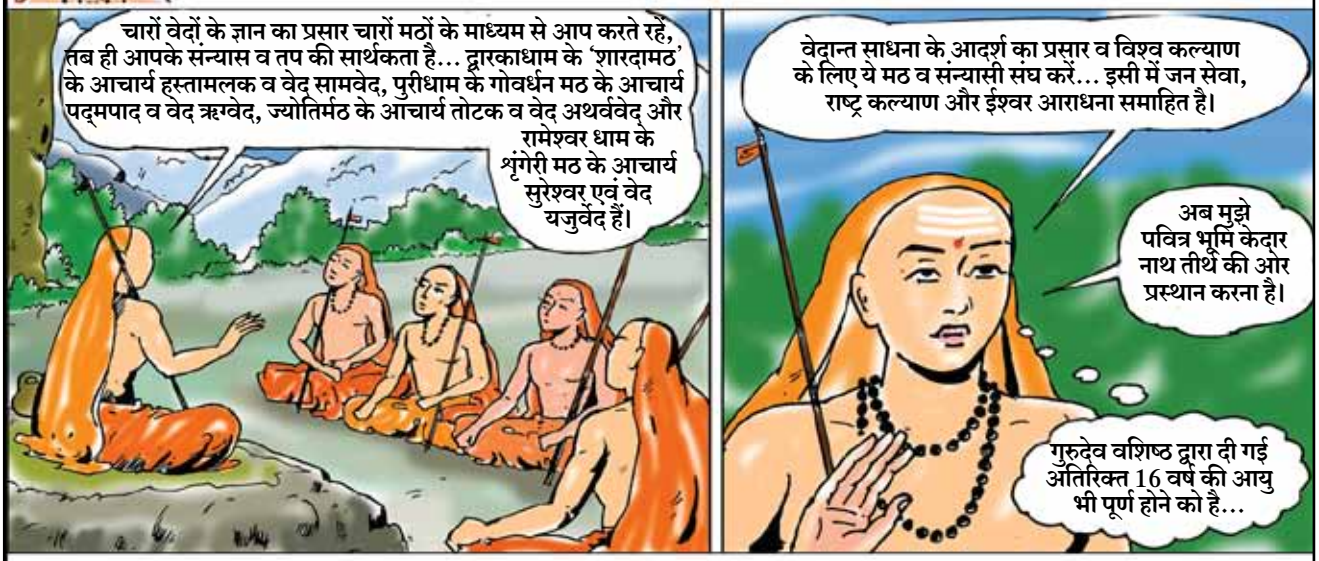

पिछले 16 वर्ष से चल रही शंकराचार्य की उत्साहपूर्ण पद यात्रा (करीब शत् सहस्र कोस) अब शांत भाव से केदारनाथ की ओर चल पड़ी।

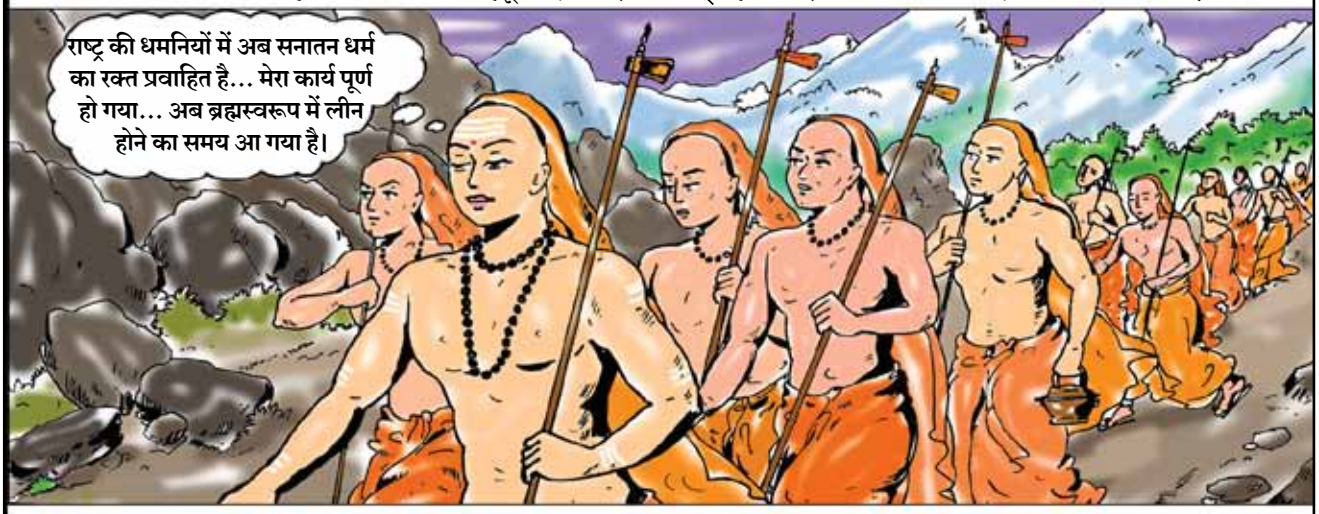

केदारनाथ धाम में पूजा–अर्चना के बाद शिष्यों को अंतिम उपदेश देकर आचार्य समाधिस्थ हो गये...

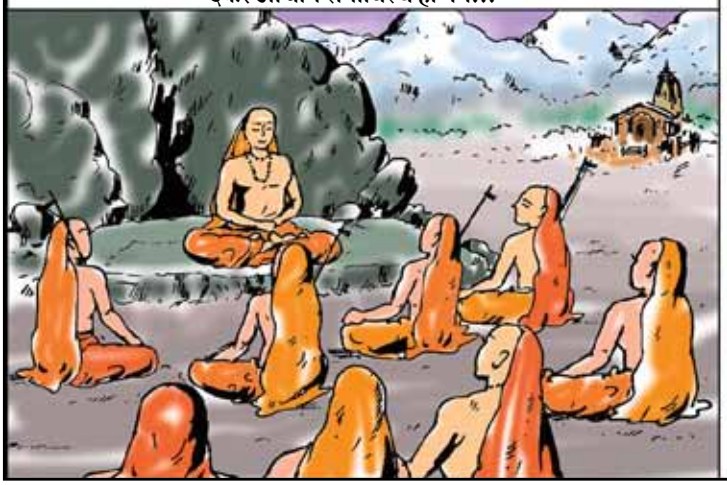

... और समाधि योग द्वारा 32 वर्ष की आयु में देह त्याग कर आत्मस्वरूप में लीन हो गये...

संदर्भ पुस्तकें 1. आचार्य शंकर– ले.स्वामी अपूर्वानन्द, 2. जगद्गुरु शंकराचार्य– ले.दीनदयाल उपाध्याय, 3. आचार्य शंकर–ले. हनुमान सिंह राठौड़

पाक्षिक
पाथेय कण
1 जनवरी, 2021

आर.एन.आई.पंजीयन क्र. 48760/87
डाक पंजीयन संख्या JAIPUR CITY /202/2021-23

अग्रिम शुल्क बिना प्रेषण की अनुमति लाइसेंस संख्या
JAIPUR CITY/ WPP - 01/2021-23

श्री राम जन्मभूमि मंदिर जीर्णोद्धार में स्वेच्छा से अधिकाधिक सहयोग करें

- सहयोग का ड्राफ्ट / चैक **'श्रीरामजन्मभूमितीर्थक्षेत्र'** के नाम से अयोध्या कैम्प कार्यालय के पते पर प्रेषित करें अथवा घर आये कार्यकर्ता को दें।
- ऑनलाइन ट्रांसफर/नेट/आर.टी.जी. एस./आई.एम.पी.एस./क्विक पे हेतु विवरण:

खाताधारक-श्रीरामजन्मभूमितीर्थक्षेत्र

- भारतीय स्टेट बैंक, नयाघाट अयोध्या
  IFSC कोड - SBIN0002510
  बचत खाता सं0 39161495808
  चालू खाता सं0 39161498809
- पंजाब नेशनल बैंक, अयोध्या
  IFSC कोड - PUNB0386500
  बचत खाता सं0 3865000100139999
- बैंक ऑफ बड़ौदा, नयाघाट अयोध्या
  IFSC कोड - BARB0AYODHY
  बचत खाता सं0 05820100021211
- ऑनलाइन ट्रांसफर ट्रस्ट वेबसाइट के माध्यम से https://srjbtkshetra.org पर करें।

- वित्त मंत्रालय ने ''श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र'' को ऐतिहासिक महत्व एवं सार्वजनिक पूजा स्थान के रूप में अधिसूचित किया है।
  (CBDTNotificationNo-24/2020/F-No-176/8/2017/ITA-I)
- आपका स्वैच्छिक योगदान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80 G (2) (b) के अन्तर्गत आयकर में 50 % छूट के लिए मान्य होगा।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र

Regd.No.76/1683 PAN - AAZTS6197B

कैम्प कार्यालय : राम कचेहरी आश्रम, रामकोट, अयोध्या-224123

Email : contact@srjbtkshetra.org Website : www.srjbtkshetra.org

फोन नं. (सहायता केन्द्र) - 08009522111, 08009611999

स्वत्वाधिकारी पाथेय कण संस्थान के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक माणक चन्द
द्वारा कुमार एण्ड कम्पनी,ए-10,22 गोदाम औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित
प्रकाशकीय कार्यालयः पाथेय भवन, 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, मालवीय नगर, जयपुर-302017
सम्पादक - रामस्वरूप अग्रवाल
प्रेषण दिनांक 1,2,3,4,व 5 जनवरी 2021 आर.एम.एस.(पी.एस.ओ.) जयपुर

प्रतिष्ठा में,